The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-1, Issue-3, October 2022
www.theresearchdialogue.com

"विशिष्ट विद्यालय के शिक्षकों का सूचना तथा सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग के सन्दर्भ में मापन हेतु प्रश्नावली"

डॉ. अम्बालिका सिंह

शिक्षाशास्त्र विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्रस्तावना

आधुनिक युग सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी युग है। सूचना का अभिप्राय उस उपयोगी ज्ञान से है, जो मानव समाज के लिए विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। आज विशिष्ट विद्यालय के शिक्षक भी परम्परागत ज्ञान को वर्तमान परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में सम्बन्धित करता है तत्पश्चात् उस ज्ञान को आधुनिकता व्यावहारिकता एवं आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों तक प्रेषित करता है।

उद्देश्य

- ❖ विशिष्ट विद्यालय के शिक्षकों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग स्तर को जानना
- ❖ सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग को विभिन्न आयामों के सन्दर्भ में देखना
- ❖ सूचना एवं समप्रेषण तकनीकी के प्रयोग का अधिगम प्रक्रिया पर प्रभाव जानना

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी प्रयोग के आयाम

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का प्रयोग शिक्षण कार्य में कई रूप में किया जा सकता है। इसमें कई कारक प्रयुक्त होते है जिन्हें ध्यान में रखकर, मापनी के आयाम के अर्न्तगत रखा गया है। इसमें निम्नलिखित आयामों को सम्मिलित किया गया है–

1.छात्रों व शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों के सुरक्षा सम्बन्धी

शिक्षकों को अपने शिक्षण दायित्वों को निभाने हेतु विभिन्न प्रकार से सहायता करती है। उपयुक्त शिक्षण के साथ उन्हें विभिन्न प्रकार की सूचनाएं चाहे वह विद्यार्थी के निष्पत्ति की हो, चाहे स्वसहायतार्थ हो, चाहे विभिन्न अभिलेखों को सुरक्षित रखने के लिए हो, सभी प्रकार से सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी मद्दगार साबित होती है।

2.सम्प्रेषण सम्बन्धी

प्रस्तुत कारक के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि विशिष्ट विद्यालय का शिक्षक अपने शिक्षण सम्बन्धी तथा व्यक्तिगत सहजता हेतु सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का प्रयोग सम्पर्क माध्यम के रूप में कैसे करता है। समस्याओं के निराकरण के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता, तरह–तरह की सूचनाएं, ऑकडें व्यक्तिगत, व्यावसायिक, या शैक्षणिक सूचनाएं जो पूर्णतः सही और विश्वसनीय हो, जिसे आसानी से प्राप्त किया जा सके तथा उसका उचित भण्डारण कर समय पर प्रयोग में लाया जा सके आदि ये सभी बातें सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के सहयोग से ही अच्छी तरह संभव हैं।

3.व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत उन्नति सम्बन्धी

इस आयाम के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि शिक्षक शिक्षण कार्य में इसका प्रयोग किस प्रकार से करता है तथा प्रयोग की तत्परता कितनी है। इसमें सुनिश्चित किया जाता है कि कार्य के प्रकृति के आधार पर विशिष्ट विद्यालय के शिक्षकों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी प्रयोग कैसा है तथा उसमें वह सफलता एवं रोचकता लाने हेतु अद्याधुनिकतम् तकनीकी का प्रयोग कैसे कर रहा है?

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग से सम्बन्धित आयामों में पद वितरण

घटक	प्रश्नावली में पद संख्या	पदों की संख्या	अधिकतम प्राप्तांक	न्यूनतम प्राप्तांक
शैक्षिक अभिलेखों के सुरक्षा सम्बन्धी	1,2,3,4,5,6	06	12	0
सम्प्रेषण सम्बन्धी	7,8,9,10,11,12,13,14,15	09	18	0
व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत उन्नति सम्बन्धी	16,17,18,19,20,21,22,23,24,25,26,27,28, 29,30,31,32,33,34,35	20	40	0

तालिका संख्या 1

प्रश्नावली हेतु पदों का निर्माण

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग सम्बन्धी इस प्रश्नावली में अग्रवर्णित विमाओं से सम्बन्धित 84 एकांश (प्रश्नों) का निर्माण किया गया । प्रथम आयाम में 18, द्वितीय आयाम में 28 तथा तृतीय में 38 एकांशो की रचना की गयी। प्रत्येक एकांश के सही उत्तर के लिए तीन विकल्प दिये गये है इनमें से सही विकल्प पर (√)का चिन्ह लगाना है। उदाहरण के लिए एक एकांश निम्नलिखित है–

1.मैं विशिष्ट विद्यालय में शिक्षण कार्य के लिए विशिष्ट तकनीक का प्रयोग करता/करती हूँ

सहमत	टसहमत	अनिश्चित

पद विश्लेषण (ITEM ANALYSIS)

प्रयुक्त प्रश्नावली जिसमें 76 एकांश सम्मिलित किये गये, को 50 विशिष्ट विद्यालय के शिक्षकों पर प्रशासित किया गया। शोधकर्ती द्वारा इन विद्यालयों में शिक्षकों से प्रश्नावली प्रपत्र भरवाया किन्तु जहाँ पर शिक्षक प्रशनावली भरने में असमर्थ थे जैसे दृष्टिबाधित विद्यालय वहाँ पर उनकी प्रतिक्रिया स्वयं द्वारा भरी गयी जो उनके द्वारा प्रतिउत्तरित थी। इसके पश्चात् दिये गये उत्तरों को उत्तर कुंजी की सहायता से जांचकर प्रत्येक के अंक निकाले गये। तत्पश्चात् इन 50 शिक्षकों के अनुक्रिया प्रपत्र को

उनके प्राप्तांकों के आधार पर उच्चतम से निम्नतम क्रम में व्यवस्थित किया गया उसके बाद व्यवस्थित क्रम को उच्चतम्, औसत तथा न्यूनतम में 8 समूहों के रूप में विभक्त किया गया। जिसमें 27 प्रतिशत उच्चतम समूह तथा 27 प्रतिशत निम्नतम समूह लिया गया जिसके आधार पर 27 शिक्षकों के प्राप्तांकों को निम्नतम समूह में सम्मिलित किया गया। उच्च एवं निम्न समूह के 27–27 शिक्षकों के प्राप्तांकों की गणना कर प्रत्येक पद का मध्यमानों एवं प्रमाणित विचलन प्राप्त किया गया। तदुपरान्त मध्यमानों का सार्थक अन्तर निकालनें के लिए 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया। प्राप्त 'टी' मान को 'टी' सारणी के आधार पर जांचा और जिन पदों का टी–मूल्य .05 स्तर के सार्थकता बिन्दु से अधिक प्राप्त हुआ, उन्हीं एकांशों को प्रश्नावली में सम्मिलित किया गया है। अंततः 35 पदों की प्रश्नावली तैयार हुई जो सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग के 3 आयामों से सम्बन्धित है।

उपकरण की विश्वसनीयता

परीक्षण को सम–विषम प्राप्तांकों के आधार पर विभाजित करने के लिए सम–विषम अर्द्ध–विच्छेद विधि का प्रयोग किया गया तथा सम–विषय प्राप्तांकों के आधार पर परीक्षण की गणना कर उनमें सह सम्बन्ध ज्ञात किया जो कि 0.99 प्राप्त हुआ। परीक्षण–पुण परीक्षण विधि के द्वारा विश्वसनीयता ज्ञात करने के लिए उपकरण को 45 दिनों पश्चात् पुनः उसी समूह पर प्रशासित किया। जिसके आधार पर विश्वसनीयता गुणांक 0.94 प्राप्त हुई।

उपकरण की वैद्यता

प्रस्तुत सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी मापनी में सम्मिलित पदों की वैधता की जांच सम्मुख वैधता द्वारा की गयी है। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के 5 विशेषज्ञों द्वारा दिये गये सुझावों के आधार पर विषयगत एवं भाषागत आवश्यक संशोधन करने के पश्चात् उनकी सहमति के आधार पर एकांशों को उपकरण में सम्मिलित किया गया है।

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी प्रयोग का अंकन

शोध अध्ययन में प्रयुक्त इस प्रश्नावली में एक एकांश के लिए 3 विकल्प है सहमत, असहमत और अनिश्चित। चिन्हित उत्तरों की जांच दी गई उत्तर कुंजी की सहायता से की जाएगी। प्रत्येक प्रश्न के दिये गये उत्तर को सहमत, असहमत और अनिश्चित के लिए क्रमशः 2, 0 और 1 अंक प्रदान किये जायेंगे। 2 अंक प्राप्त उत्तर का तात्पर्य सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के कुशल प्रयोग से होगा

और 1 अंक प्रदान किया कथन प्रश्न का पूर्ण प्रतिनिधित्व न करके औसत प्रतिनिधित्व करेगा। इस प्रकार अधिकतम प्राप्त किये जा सकने वाले अंक 70 तथा निम्नतम अंक 0 है।

प्रश्नावली

विषयी का विवरण

नाम————————————— **आयु—————————————**

विद्यालय का नाम————————————————— **लिंग—————————————**

ई–मेल—————————————

षिक्षण अनुभव—————————— **फोन नं:———————————**

संस्था का प्रकार सरकारी/प्राइवेट————————————

संस्थान में कार्यरत् वर्ष————————————————

निर्देश

प्रस्तुत प्रश्नावली आप शिक्षकों की व्यावसायिक सन्तुष्टि ज्ञात करने हेतु तैयार की गई एक स्वर्निमित प्रश्नावली है इसका उद्‌देश्य मुख्यतः विषय की स्पष्ट रूप से व्याख्या करना है। इस प्रश्नावली में कुछ प्रश्न दिए गए है जिसमें सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है। कृपया सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपके द्वारा दिए गए उत्तरों को पूर्णतया गुप्त रखा जाएगा। आपसे निवेदन है कि कृपया प्रश्नों को सावधानीपूर्वक पढ़कर ही उत्तर दीजिए और यदि इन्हें समझने में कोई भी कठिनाई आए तो उसका निवारण भी किया जायेगा। तथा इस बात से भी आप आश्वश्त् हो जाइए कि इन प्रश्नों में कोई भी प्रश्न सही अथवा गलत नहीं है इसलिए किसी भी प्रश्न को छोड़ना नहीं है, प्रत्येक सभी एकांशों के उत्तर आपको देने हैं। यद्यपि प्रश्नावली की समय सीमा निर्धारित नहीं है फिर भी 50 मिनट में इसे पूर्ण कर लेना है।

धन्यवाद

क्रम संख्या	प्रश्नावली	सहमत	असहमत	अनिश्चित
1.	हमारी कक्षा में विशिष्ट बालकों के लिए पर्याप्त सुविधाएं तथा उपकरण उपलब्ध हैं।			
2.	मैं विशिष्ट कक्षा में षिक्षण कार्य के पश्चात् किए गए अपने शिक्षण से सन्तुष्ट होता/होती हूॅ।			
3.	शिक्षण कार्य हेतु कम्प्यूटर/लैपटॉप या मोबाइल आदि का प्रयोग करते हैं।			
4.	शिक्षण कार्य में आयी समस्या या विचार विनिमय हेतु सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का प्रयोग करते हैं।			
5.	मैं विभिन्न संगोष्ठियों में प्रयुक्त तकनीकी ज्ञान के लिए इनमें भाग लेता/लेती हूॅ।			
6.	विशिष्ट शिक्षा की अद्यतन् जानकारी के लिए इण्टरनेट का सहारा लेते हैं।			
7.	स्वमूल्यांकन व पृष्ठपोषण का विश्लेषण कम्प्यूटर की सहायता से करते है।			
8.	मैं विशिष्ट शिक्षा के विषय से सम्बन्धित समस्या के समाधान के लिए विषय–विशेषज्ञों से विचार विनिमय हेतु ई–मेल/दूरभाष तकनीकी का प्रयोग करती/करता हूॅ।			
9.	मैं विषयवस्तु को रोचक तरीके से प्रस्तुत करने के लिए कम्प्यूटर/लैपटॉप का प्रयोग करता/करती हूॅ।			
10.	मैं विषयवस्तु से सम्बन्धित सामग्री के चयन हेतु इण्टरनेट का सहारा लेती /लेता हूॅ।			
11.	विषयवस्तु को अधिक स्पष्ट एवं मूर्त बनाने के लिए ओवर हैड प्रोजेक्टर का प्रयोग करते हैं।			
12.	मैं छात्रों की रोचकता व स्वयं के कार्यभार को हल्का करने के लिए सीडी/डी वी डी/एल सी डी/ आदि का प्रयोग करता/करती हूॅ।			

13.	मैं संस्थान में सम्बन्धित मूल्यांकन आदि प्रपत्र टंकण स्वयं करने के लिए कम्प्यूटर का प्रयोग करता/करती हूँ।			
14.	छात्रों से प्राप्त निष्पत्ति ऑकडों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय तकनीकी एस पी एस एस का प्रयोग करते हैं।			
15.	मैं छात्रों की नामांकन सूची व उनके व्यक्तिगत पते को पीडी/सीडी/कम्प्यूटर आदि में सुरक्षित रखता/रखती हूँ।			
16.	मैं स्वयं के शैक्षिक अभिलेखों को कम्प्यूटर व पी0डी0 में सुरक्षित रखता/रखती हूँ।			
17.	मैं छात्रों की उपलब्धि सम्बन्धी अभिलेखों को पीडी/सीडी/कम्प्यूटर आदि में सुरक्षित रखता/रखती हूँ।			
18.	मै छात्रों से सम्बन्धित पाठ्येत्तर क्रियाओं के अभिलेखों को कम्प्यूटर में सुरक्षित रखता/रखती हूँ।			
19.	मुझे शिक्षण सम्बन्धी क्रियाओं को विभिन्न तकनीकी के माध्यमों में सुरक्षित रखना अच्छा लगता है।			
20.	मैं छात्रों, शिक्षण कार्य व संस्था से सम्बन्धित सभी आवश्यक सूचनाओं को लैपटॉप/पीडी/सीडी/कम्प्यूटर आदि में सुरक्षित रखता/रखती हूँ।			
21.	नवीन सूचनाओं को सम्बद्ध जन तक पहुँचाने के लिए सोशल मीडिया फेस बुक/ट्वीटर आदि का प्रयोग करते है।			
22.	मुझे इतना ही वेतन मिले तो मैं किसी अन्य जगह पर कार्य करना चाहूँगा / चाहूँगी ।			
23.	मुझे विशिष्ट बालकों को शिक्षित करने में समस्याओं का अनुभव होता है।			
24.	मैं अपने दूरस्थ सहयोगी के साथ एक ही विषय सम्बन्धी नवीन सूचनाओं का आपस में आदान–प्रदान करता/करती हूँ।			

25.	विशिष्ट शिक्षा की नवीन तकनीकी के द्वारा विशिष्ट बालकों के शिक्षण कार्य के लिए मेरे पास पर्याप्त समय उपलब्ध होता है।			
26.	नवीन सूचनाएं आपस में शीघ्रता से भेजने के लिए फैक्स व ई–मेल का प्रयोग करते है।			
27.	रोचक व संक्षिप्त जानकारी के आदान–प्रदान के लिए फेसबुक/ई–मेल आदि का प्रयोग करते हैं।			
28.	मैं अपने सहकर्मीयों के ई–मेल पते पर नवीन जानकारियॉ प्रेषित करता रहता/करती रहती हूॅ।			
29.	मैं अपने संस्थान सें जुड़ी सूचनाओं को संस्थान की वेबसाइट पर प्रसारित करते व देखते रहता/रहती हूॅ।			
30.	मुझे लगता है कि विशिष्ट बालक किसी कार्य को तकनीकी की सहायता से अच्छी तरह से सीख सकते हैं।			
31.	मैं शिक्षण कार्य के अतिरिक्त पत्राचार आदि माध्यम से अन्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करता/करती हूॅ।			
32.	पत्राचार माध्यम से किसी कोर्स को करने के लिए संस्था की वेबसाइट एवं अन्य वेबसाइट पर लॉग इन करते हैं।			
33.	मैं नवीनतम् जानकारी को जानने की जिज्ञासा के समाधान के लिए सर्च इंजन का प्रयोग करता/करती हूॅ।			
34.	मुझे लगता है कि सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की नवीनतम् जानकारियॉ शिक्षण कार्य के अतिरिक्त स्वयं के लिए भी लाभकारी होती हैं।			
35.	मेरे संस्थान में अभिनवीकरण जैसे कार्यक्रम की सूचना का प्रसारण इण्टरनेट के द्वारा होता रहता है जिसमें हम भाग भी लेते हैं।			

THE RESEARCH DIALOGUE
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-1, Issue-3, *October* 2022
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number-Oct-2022/21

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ. अम्बालिका सिंह

For publication of research paper title

"विशिष्ट विद्यालय के शिक्षकों का सूचना तथा सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग के सन्दर्भ में मापन हेतु प्रश्नावली"

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-01, Issue-03, Month October, Year- 2022.

Dr.Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr.Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com